भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् - 2077 ● मासिक पत्र : मार्च 2021 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा कोविड दिवंगतों को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा दिल्ली के जी.टी. करनाल रोड स्थित राष्ट्र मंदिर विश्व रामायण आश्रम में आयोजित एक समारोह में कोविड के योद्धाओं को सम्मानित किया गया और कोविड दिवंगतों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

यह कार्यक्रम भिवानी परिवार मैत्री संघ के संरक्षक देहदानी श्री आत्मा राम कोकड़ा को समर्पित था। कार्यक्रम मुख्य अतिथि राधा स्वामी सत्संग दिनोद (भिवानी) के हुजुर कंवर साहेब महाराज और हनुमान जोहड़ी मंदिर भिवानी के महंत चरणदास महाराज के सानिध्य में आयोजित किया गया। विशिष्ट अतिथि के तौर पर राष्ट्र मंदिर के संस्थापक अजय भाई ने भजन वर्षा की तथा समस्त आश्रम को राममय कर दिया। समारोह गौरव के रूप में श्री ओ.पी. गोयल की गरिमामयी उपस्तिथि रही।

संस्था के प्रधान राजेश चेतन ने बताया कि इस कार्यक्रम में कोविड दिवंगतों को श्रद्धांजलि दी गई तथा कोविडसेवी संस्थाओं, कोविड योद्धाओं का सम्मान भी किया गया। भिवानी और दिल्ली के डाक्टर, सामाजिक संस्थान, अग्रिम पंक्ति के कार्यकर्ता, पुलिसकर्मी इत्यादि अनेक गणमान्य जन विशेष रूप से उपस्थित थे। श्रीराम लला की पालकी तथा मिलिट्री बैंड कार्यक्रम के प्रमुख आकर्षण रहे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। आगंतुक अतिथियों का स्वागत किया गया। दिल्ली के लोकप्रिय संस्थाओं में शामिल भिवानी परिवार मैत्री संघ व्यापक स्तर पर सामाजिक कार्यों में सदैव अग्रणी रही है और समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित करती रहती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने मे आपदा राहत समिति की महती भूमिका रही।

संस्था का मूल उद्देश्य देश-विदेश में फैले भिवानी के लोगों को भावनात्मक रूप से एक सूत्र में जोड़ना और लोकहित कार्यों के लिए प्रेरित करना है। भारत माता की आरती के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। कार्यक्रम के उपरांत दोपहर भोज की सुंदर व्यवस्था भी की गई।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

एफ-6, कोहली प्लाजा, सी यू ब्लॉक, उत्तरी पीतमपुरा, दिल्ली-110034

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

भिवानी के लोग

श्री संजय गुप्ता

- भिवानी के प्रतिष्ठित परिवार में जन्म।
- दादी मां श्रीमती गिन्दोड़ी देवी ने गीता भवन के माध्यम से धर्म सेवा कर परिवार को प्रतिष्ठा प्रदान की।
- भिवानी वैश्य कॉलेज से स्नातक।
- श्रीमती सरिता गुप्ता संग विवाह बंधन में बंधकर, नैना, रुचि और निखिल तीन होनहार बालकों के पिता।
- फार्मा क्षेत्र में Wave Pharmaceuticals Ltd के नाम से नेपाल और भारत में बड़ा व्यवसाय।
- नेपाल में भिवानी के सांस्कृतिक राजदूत।
- नेपाल के प्रथम राष्ट्रपति श्री रामबरण यादव से लेकर अन्य राज नैतिक, सामाजिक लोगों से घनिष्ठ संबंध।
- सामाजिक, धार्मिक कार्यों के लिये हमेशा तत्पर रहते हैं।
- भिवानी परिवार मैत्री संघ हमारे संरक्षक सदस्य श्री संजय गुप्ता के दीर्घ स्वस्थ जीवन और उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

सम्पादकीय

जगत नारायण भारद्वाज

सेठ नंदराम जी की दयालुता के अनेक किस्से प्रचलन में हैं

सन् 1809 की वर्षा के दिनों में अंग्रेज सेनापति कर्नल वारेन साहब ने अपनी सेना के साथ भिवानी को अपने अधीन करने के लिए आक्रमण कर दिया। उस समय आस-पास के गांवों ने अंग्रेजों की अधीनता स्वीकार कर ली थी। भिवानी के लड़ाके राजपूतों ने पराधीनता स्वीकार न करके युद्ध की तैयारी में जुटते हुए कटले के चारों ओर मिट्टी की दीवार बनाकर उनपर मोर्चे बना लिए व एक खाई खोद दी। उस समय तीन दिन तक राजपूतों ने दिल खोलकर युद्ध करते हुए वारेन साहब को मार दिया। अन्त में वे तोपों का मुकाबला तलवारों से न कर सके।

नंदराम के बेटे इस युद्ध में शस्त्र देने का काम कर रहे थे। अच्छे-अच्छे वीर मारे गए तब अचानक अंग्रेज सेना भिवानी में घुस गई व उन्हें जो भी मिला उसे ही मौत के घाट उतार दियाए चौथे दिन भिवानी की स्वाधीनता सदा के लिए नष्ट हो गई। उस समय भिवानी एक छोटा सा गांव ही था व सम्पन्नता का स्थान यह कटला ही होता था। उसी समय एक अंग्रेज सैनिक ने सेठ नंदराम को अपनी बन्दूक से घायल कर दिया। भिवानी का कटरा जो एक प्रसिद्ध स्थल है उसमें घुसकर चार लाख के सामान को लूट लिया। आज भी कटले के द्वारों पर गोलियों के निशान हैं।

भिवानी के कान्हदास के घेर में इनके पुत्र पतराम दास की छतरी पर कटले का सुन्दर चित्र बना है। घायल नंदराम के मृत्यु से तेरह दिन लड़ने के बाद उनके प्राण निकल गए। एक ऐसा महापुरुष जो किसी की आंख में आंसू भी नहीं देख सकता था उसे अंग्रेजों की छावनी में निस्सहाय मरना पड़ा। भिवानी पर अंग्रेजों का यह पहला आक्रमण था। इस युद्ध में अनेक वीर मारे गए। आज हम यह कहने में बिल्कुल भी संकोच नहीं करेंगे कि सेठ नंदराम भिवानी के प्रथम शहीद हैं।

उनके चारों पुत्रों में से वहां सबसे छोटे पुत्र देवकरन ही थे जिसने उनका अंतिम संस्कार किया।बाकी तो यह सोच रहे थे कि सेठजी कहीं और चले गए होंगे।

जहां उनका अंतिम संस्कार किया गया उस स्थान पर आज भी बहुत सुन्दर छतरी बनी है। आज सेठ नंदराम नहीं रहे फिर भी उनके द्वारा किए गए कार्यों की लोग आज भी चर्चा करते हैं। इनकी कुछ पीढ़ियों ने तो इनके पदचिन्हों पर चलकर जनकल्याण के कार्य किए थे। आज इनके वंशज देश में अलग-अलग स्थानों में रहकर जो बन पड़ता है वह करते हैं।

इनके जीवन के अनेक खट्टे-मीठे पहलू हैं जिनका वर्णन यहां प्रासंगिक नहीं है।

किसी कवि ने सेठ जी के बारे में लिखा है

अठारह सो छियासठ विक्रमी, बड़ा भया अंधियार।
वीर गती को पा गये, नंदराम सरकार।
शताधिक कूप ओ बावड़ी, मंदिर बड़ा बजार।
नंदराम कुल कीरती, देस-विदेस अपार।
सतरह सो सत्तानवें, विक्रमि मास कँवार।
नंदराम जग प्रगटिया, लोकसिद्धि दातार।

स्मृति शेष

भिवानी परिवार मैत्री संघ
दिवंगत आत्माओं के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित
करते हुए परिवार के
सदस्यों के प्रति अपनी संवेदना
व्यक्त करता है

श्री जय भगवान जिंदल
2 फरवरी 2021

श्री सज्जन कुमार जैन
3 फरवरी 2021

श्री निवास गुप्ता
3 फरवरी 2021

श्री जितेन्द्र गुप्ता
11 फरवरी 2021

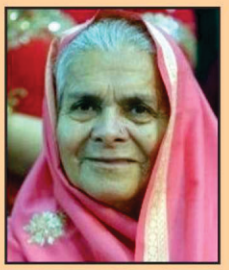

श्रीमती बिमला शर्मा
14 फरवरी 2021

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

ओजस्विनी सम्मान
श्रीमती दर्शना गुप्ता
1 मार्च

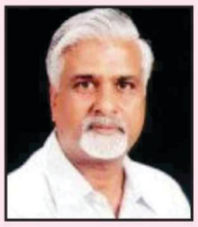

भिवानी गौरव
श्री सुरेश बिन्दल
7 मार्च

भिवानी गौरव
सुश्री वसुधा शर्मा
11 मार्च

श्री पंकज गुप्ता
(सचिव-बीपीएमएस)
17 मार्च

श्री रमेश कुमार चौधरी
(संरक्षक) 18 मार्च

श्री कृष्ण बासिया
(संरक्षक) 21 मार्च

श्री मनोज कुमार अग्रवाल
(संरक्षक) 21 मार्च

श्री अरविंद गर्ग
(संरक्षक) 24 मार्च

श्रीमती सपना गुप्ता
(संरक्षक) 27 मार्च

श्री नवल किशोर गोयल
(संरक्षक) 31 मार्च

साहित्य अवार्ड

भिवानी गौरव अवार्डी **श्री माधव कौशिक** को हरियाणा साहित्य अकादमी के पुरस्कारों में आजीवन साहित्य साधना सम्मान (7 लाख) प्राप्त हुआ है।

मधुप काव्य पुरस्कार प्राप्त **डॉ. सारस्वत मोहन मनीषी** को हरियाणा साहित्य अकादमी के पुरस्कारों में हरियाणा गौरव सम्मान (2 लाख) प्राप्त हुआ है।

आप दोनों को भिवानी परिवार मैत्री संघ की तरफ से हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

भिवानी परिवार मैत्री संघ की टूरिज्म समिति द्वारा समय-समय पर यात्रा का आयोजन

नई दिल्ली। भिवानी परिवार मैत्री संघ की टूरिज्म समिति द्वारा समय-समय पर यात्रा का आयोजन किया गया, जिसमें भिवानी परिवार मैत्री संघ के पदाधिकारियों ने शिरकत कर यात्रा का आनन्द लिया। टूरिज्म समिति ने कोरोना में सहयोग राशि का सहयोग किया।

1) कोविड के समय टूरिज्म समिति द्वारा 6 सितंबर 2020 को डिजिटल यात्रा की शुरुवात TEA ON WHEELS जिसमें लंदन, मानसरोवर, रामेश्वरम, दुबई, गोकर्ण से कन्याकुमारी आदि स्थानों का भ्रमण कराया।

2) 8 जनवरी 2021 को पारिवारिक धार्मिक यात्रा में श्री खाटूश्याम, श्री सालासर बालाजी और श्री दादी रानी झुंझुनूं गए । जिसमें 65 यात्री रहे। जिसमें अध्यक्षता श्री राजेश चेतन जी, श्री मनीष गोयल जी ने की। यात्रा में भिवानी परिवार मैत्री संघ के श्रीमती राज रानी और श्री हंसराज रल्हन, श्रीमती निशा, श्री सांवरमल गोयल, श्रीमती लता मोड़ा, श्री पवन मोड़ा, श्री विनय सिंघल, श्री अमित सिंघल, कवयित्री बलजीत कौर, श्रीमती और श्री संजय गोयल, श्रीमती रीता आदि सदस्य भी सम्मिलित थे ।

3) 25 और 26 जनवरी 2021 को

a) श्री पहाड़ी माता और श्री देवसर मंदिर

b) श्री खाकी मंदिर में श्री श्याम भजन संध्या

c) श्री सांस्कृतिक मंच और श्री अग्रवाल भवन भिवानी पर ध्वजारोहण

d) अपना घर महिला शाखा का लोकार्पण।

टूरिज्म समिति

मनीष गोयल (चेयरमैन)	9811195512
मनमोहन गुप्ता	9811588065
क्षितिज मित्तल	9311910718
उमेश मित्तल	9310138001
बालकिशन अग्रवाल	9891770799
हंसराज रल्हन	9212163340
संजय अग्रवाल	9910995570
अमित सिंघल	9311190575
विनोद गुप्ता	9810401945

मेरी कलम से

'म्यूजिक थैरेपी'

म्यूजिक थैरेपी एक ऐसी थैरेपी होती है जिसमें मानसिक और शारीरिक रोगों को म्यूजिक यानि संगीत के ऊंचे, मध्यम और धीमे स्वर के जरिए ठीक करने की कोशिश की जाती है। इस थैरेपी का प्रयोग आमतौर पर पेशेंट की बीमारी से जुड़ी दवाईयों के साथ जल्दी आराम देने के लिए किया जाता है। दुनिया की हर चीज में अपना एक संगीत या सुर होता है। जो हमारे मन और तन पर असर डालता है। यही नहीं, कई गंभीर बीमारियों को भी इस थैरेपी के जरिए ठीक किया जास कता है। आपको बता दें कि दुनिया में हुए कई सारे शोधों से सिर्फ एक ही बात सामने निकल कर आई कि संगीत या म्यूजिक का धीमा स्वर या ऊंचा स्वर हमारे दिमाग के साथ-साथ हमारे शरीर की विभिन्न तरंगों पर अलग-अलग समय पर अलग-अलग असर डालती है और नियंत्रित करने में भी सक्षम है। इसी वजह से अब दुनिया में संगीत के जरिए कई गंभीर बीमारियों को ठीक करने के लिए खास म्यूजिक थैरेपी का प्रयोग शुरू किया जाने लगा है। भारत में संगीत की परंपरा भले ही बहुत पुरानी रही हो लेकिन संगीत से इलाज या 'म्यूजिक थेरेपी' की अवधारणा अभी भारतीयों में बहुत ज्यादा प्रचलित नहीं है। विशेषज्ञों की मानें तो संगीत अपने आप में बहुत प्रभावी है और तनाव तथा कई मानसिक रोगों से निजात दिलाने में तथा तन और मन को प्रसन्न रखने में अहम भूमिका निभाता है।

म्यूजिक थैरपी के फायदे

1. तनाव और घबराहट को कम करना।
2. पार्किंसन और अल्जाइमर में आराम।
3. डिप्रेशन के असर को कम करना।
4. सेल्फ एक्सप्रेशन और कम्युनिकेशन को इंप्रूव करता है।

वैदिक विज्ञान ने भारतीय शास्त्रीय संगीत चिकित्सा प्रभाव होने का दावा किया है। प्राचीन काल से ही संगीत को बारंबार चिकित्सीय कारक के रूप में उपयोग में लाया जाता रहा है। भारत में संगीत, मधुर ध्वनि के माध्यम से एक योग प्रणाली की तरह है, जो मानव जीव पर कार्य करती है तथा आत्मज्ञान की हद के लिए उनके उचित कार्यों को जागृत तथा विकसित करती हैं, जो कि हिंदू दर्शन और धर्म का अंतिम लक्ष्य है। मधुर लय भारतीय संगीत का प्रधान तत्व है। 'राग' का आधार मधुर लय है। विभिन्न 'रोग' केन्द्रीय तंत्रिका प्रणाली से संबंधित अनेक रोगों के इलाज में प्रभावी पाए गए हैं। चिकित्सा के रूप में संगीत के प्रयोग करने से पहले यह अवश्य पता करना चाहिए कि किस प्रकार के संगी तका उपयोग हो। संगीत चिकित्सा का सिद्धांत, सही स्वरशैली तथा संगीत के मूल तत्वों के सही प्रयोग पर निर्भर करता है। जैसे कि स्वर, लय, तीव्रता, ताल तथा रागों के अंश। राग अनगिनत है तथा निश्चित रूप से प्रत्येक राग के अपने ही अनगिनत गुण हैं। यही कारण है कि हम किसी विशेष राग को किसी विशेष रोग के लिए स्थापित नहीं कर सकते हैं। विभिन्न मामलों में अलग-अलग प्रकार के रागों का प्रयोग किया जाता है। अगर उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति को धीमी पिच वाले, व निम्न रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति को तेज अथवा वनिका संगीत सुनाया जाए तो लाक्षणिक लाभ होता है। दरबारी व सारंग राग ह्रदय रोगों में लाभदायक है तो शिवरंजिनी स्मृति विलोप से संबंधित रोगों में फायदा पहुंचाता है। इसी प्रकार एक शोध में मालकौंस एवं ललित राग श्वसन तंत्र संबंधित व्याधियों में उपचार में संपूरक पाए गए। वर्तमान की तनाव पूर्ण जीवन शैली के कारण कई व्यक्ति अनिद्रा से पीड़ित हैं, अगर वे राग भैरवी और राग सोहनी का सुनना बिस्तर पर करें, तो इस समस्या से निजात मिलेगी। राग : हिण्डौल, पूरिया, कौशिक कानडा, तोडी, पूर्वी, मुल्तानी। लो व हाईब्लड प्रेशर में लाभकारी। राग भैरव व राग देस सिरदर्द सबंधी तकलीफो में अत्यंत उपयोगी है। रोग पीलू रक्तहीनता के उपचार में काम आता है तो राग जयजयवंती सामान्य शारीरिक कमजोरी में लाभ देता है। हाइजेशन संबंधी रोगों में राग देस व स्वेमराज प्रयुक्त होते हैं। हिंदी बॉलीवुड गीत जो शास्त्रीवुड गीत जो शास्त्रीय संगीत पर आधारित है। वे इस थेरेपी में बहुत ही लाभदायक सिद्ध होते हैं।

जब संगीत चिकित्सा शब्द का प्रयोग होता है तो हम चिकित्सा की विश्वव्यापरी प्रणाली के बारे में सोचते हैं इस मामले में भारतीय शास्त्रीय संगीत का गायन भाग का साहित्य पर्याप्त नहीं है। अपने अद्वितीय स्वरों अथवा तालों की संरचना के साथ शास्त्रीय संगीत शांत और आरामदायक मनोभावना सुनिश्चित करता है और उत्तेजना पैदा करने वाली स्थितियों से जुड़ी संवेदना को शांत करता है। संगीत तथाकथित भावनात्मक असंतुलन को जीतने में एक प्रभावी भूमिका निभाता है। भारत में प्रत्येक वर्ष 13 मई को संगीत चिकित्सा दिवस के रूप में मनाया जाता है।

मंजीत मरवाहा

चिट्ठी मेरे गाँव की

भिवानी परिवार मैत्री संघ में संगठन के विस्तार के लिए दिल्ली / एनसीआर कार्यक्षेत्रों को 20 इकाईयों में बांटा गया है और इस समय 'चिट्ठी मेरे गाँव की' शीर्षक से ईकाई अनुसार कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। फरवरी मास में इसमें शालीमार बाग ईकाई एवं कोहट ईकाई के कार्यक्रम आयोजित किये गए है ।

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● शालीमार बाग ईकाई 7-2-2021 ● संयोजक : श्री मनीष गोयल

● चिट्ठी मेरे गाँव की ● कोहट ईकाई 18-2-2021 ● संयोजक : श्री संजय गुप्ता

सेवा समितियां

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा संस्था के कार्यों को सुचारू रूप से चलाने के लिए जिन समितियों का गठन किया गया था उनका विवरण इस प्रकार है।

1. डी.डी.ए. प्लॉट समिति : श्री अरविंद गर्ग, 9811757577
2. बिजनेस पाठशाला : श्री हंसराज रल्हन, 9212163340
3. संविधान समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
4. बधाई एवं संवेदना संदेश समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
5. 24 x 7 हेल्थ हेल्प लाईन : श्री पवन मोडा, 9350461306
6. अपना घर आश्रम समिति : श्री सांवरमल गोयल, 9990541122
7. शिक्षा बैंक : श्री पंकज गुप्ता, 9654909070
8. नेत्रदान-देहदान समिति : श्री एन.आर.जैन, 9711917855
9. वैब पोर्टल : श्री प्रमोद शर्मा, 9868162572
10. कृत्रिम अंग सेवा समिति : श्री नवीन जयहिंद, 9313581995
11. आपदा राहत समिति : श्री दिनेश गुप्ता, 9810003215
12. रोजगार समिति : श्री सुशील गनोत्रा, 9899454931
13. विवाह सुझाव एवं मैटरीमोनियल समिति : श्री विनय सिंघल, 9999190575
14. जल सेवा समिति : श्री हरिकृष्ण अग्रवाल, 9873238530
15. पर्यटन समिति : श्री मनीष गोयल, 9811195512
16. यू-ट्यूब समिति : श्री राजेश चेतन, 9811048542
17. वस्त्र एवं औषधि संग्रहण समिति : श्री गोविंदराम अग्रवाल, 9312923340
18. वरिष्ठ नागरिक मनोरंजन केन्द्र (लाइब्रेरी) : श्री विनय सिंघल, 9999190575
19. हमारा बुक बैंक समिति : श्रीमती पूजा जैन, 9212232753

अगर आप भी इनमें से किसी समिति से जुड़ना चाहते है या अपने सुझाव देना चाहते है तो आप समिति के संयोजक से संपर्क कर सकते है।

व्रत मार्च 2021

महाशिवरात्रि, गुरुवार, 11 मार्च
होलिका दहन (प्रदोष काल), रविवार 28 मार्च
होली, वसन्तोत्सव, सोमवार 29 मार्च